परामर्श प्रमुख

श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद

श्री प्रदीपकुमार जैन, रायपुर

प्रधान संपादक

सिंघई राजेन्द्र जैन 'बागो', 9424013136

सह संपादक

श्रीमती अनुपमा-रजनीश जैन, 9009066884

श्रीमती साधना-सुनील जैन, 8602696165

श्री विशाल जैन, 9453167716

कोषाध्यक्ष

सुधेशकुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक

राजेन्द्रकुमार जैन, सायकलवाले 9425353972

खुशालचंद जैन, 9302123879

कोमलचंद जैन, 9329524227

संयोजक एवं प्रकाशक

बाहुबली जैन, 9827247847

शिरोमणि संरक्षक -

श्री प्रदीपकुमार जैन, रायपुर

श्री सुधेश जैन, इन्दौर

विशेष सहयोगी -

श्री सुरेशचंद जैन,

परवारपुरा, नागपुर

सहयोगी सदस्य -

श्री कुमुदकांत जैन, मंडी बामौरा

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/-
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/-
संरक्षक (अ.जा.)	5100/-
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/-
सहयोगी सदस्य (10 वर्ष)	1100/-

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855 IFSC Code: SBIN0030134 में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड व कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।

विज्ञापन दर (कलर)

अंतिम पेज	15000/-
फुल पेज (अंदर)	11000/-
1/2 पेज	5000/-
1/4 पेज	3000/-
मांगलिक बधाई फोटो सहित	2000/-
शोक संदेश फोटो सहित	1000/-
बॉयोडाटा फोटो सहित	350/-

1008 श्री आदिनाथ भगवान का प्रथम महामस्तकाभिषेक साआनंद संपन्न

आदिनाथ जन्म कल्याणक के शुभ अवसर पर नवनिर्मित 1008 श्री आदिनाथ जिनालय में नव प्रतिष्ठित मूलनायक भगवान 1008 श्री आदिनाथ का प्रथम महामस्तकाभिषेक किया गया। पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के समापन के तीसरे ही दिन मूलनायक श्री आदिनाथ भगवान के जन्म कल्याणक के शुभ अवसर पर महामस्तकभिषेक का स्वर्णिम अवसर समाज जनों को प्राप्त हुआ। प्रथम अभिषेक करने का सौभाग्य मिला इंजी. आनंद जैन, श्री शांतिकुमार जैन, श्री भरतेश जैन, श्री बाहुबली जैन परिवार को मिला । साथ ही मंदिर में विराजमान सभी प्रतिमाओं के प्रतिमा पुण्यार्जक परिवारों ने भी अपनी अपनी प्रतिमाओं का प्रथम अभिषेक एवं शांति धारा कर पुण्यार्जन किया । मंदिर कमेटी ने घोषणा की कि प्रतिवर्ष श्री आदिनाथ जन्म कल्याणक के अवसर पर जिनालय में मूलनायक श्री आदिनाथ भगवान का वार्षिक महामस्तकाभिषेक समारोह पूर्वक मनाया जाएगा। मंदिर जी के प्रतिष्ठा समारोह के साथ ही प्रतिदिन अभिषेक और शांति धारा सहित नित्य पूजन, अर्चना विधिवत आरंभ हो गई है। प्रतिदिन अनेक श्रद्धालु अपने विवाह, जन्मदिन या किसी अन्य मंगल अवसर पर अभिषेक और शांति धारा कराकर पुण्यार्जन कर रहे हैं। आप भी प्रतिदिन होने वाली अभिषेक, शांतिधारा के पुण्यार्जन का लाभ ले सकते हैं।

और उपस्थित जन समूह की शंकाओं का समाधान किया। इसी दिन सभी प्रतिमाओं (मूलनायक 1008 श्री आदिनाथ भगवान मूर्ति विराजमानकर्ता श्री भरतेश-पूर्णिमा जैन, विधि नायक - श्री सचिन चंद्रकुमार जैन, 1008 श्री पद्मप्रभु भगवान - श्री प्रयंक-शालिनी जैन, 1008 श्री चन्द्रप्रभ भगवान - श्रीमती कल्पना-राजेन्द्र जैन 'बागो', 1008 श्री पुष्पदंत भगवान - डॉ. समीर-निर्मला जैन, 1008 श्री शीतलनाथ भगवान - श्री राजेश-संगीता जैन, 1008 श्री वासुपूज्य भगवान - श्री राजेन्द्रकुमार-चंदा जैन साइकिलवाले, 1008 श्री शांतिनाथ भगवान - डॉ. रुपेश-रानी मोदी, 1008 श्री मल्लिनाथ भगवान - श्री अशोक-रेखा जैन, 1008 श्री मुनि सुव्रतनाथ भगवान - श्री गौरव-पारुल शाह, 1008 श्री नेमिनाथ भगवान - श्री अनिल शीलचंद जैन, 1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान - श्री नरेश-कल्पना जैन, 1008 श्री महावीर भगवान - श्रीमती चंदा-नवीन पंचरतन) की सूर्य मंत्र के द्वारा प्राण प्रतिष्ठा मुनि संघ द्वारा हुई ।

14 मार्च मोक्ष कल्याणक नगर शोभा यात्रा दिवस पर प्रात: 6:57 पर भगवान का मोक्ष दिखाया गया। भगवान का शरीर कपूर की भांति उड़ गया और उनकी शुद्धात्मा अष्टपद से सिद्धालय में विराजमान हो गई। अग्नि कुमार, देवों ने उनके अवशेषों का अंतिम संस्कार किया । इसके साथ ही पंचकल्याणक की 5 दिन की पूजन और विधान की पूर्ण आहुति स्वरुप और विश्व शांति के लिए इंद्र-इंद्राणियों ने हवन किया। इसके पश्चात मुनिश्री के मुखारविंद से मोक्ष कल्याणक पर्व की विशेषताएं ज्ञात हुई । इसके पश्चात प्रात: 10 बजे भव्य गजरथ फेरी का आयोजन हुआ । इस फेरी में स्वर्ण रथ, रजत रथ तथा ऐरावत रथ की झलक देखने को मिली। इस भव्य फेरी में स्वर्ण रथ पर बैठने का सौभाग्य भगवान के माता-पिता (श्रीमती प्रभा-रमेशचंद जैन), सौधर्म इन्द्र (श्री प्रयंक-शालिनी जैन), धनपति कुबेर (श्री गौरव-पारुल शाह) और महायज्ञ नायक (श्री भरतेश-पूर्णिमा जैन) एवं ध्वजारोहणकर्ता (डॉ. रुपेश-रानी मोदी) परिवार को मिला इसके पश्चात रजत रथ एवं बग्गियों पर सभी मुख्य पात्र (भरत - श्री पुलकित-शिफा जैन, बाहुबली - श्री नीलेश-नीतू जैन, ईशान इन्द्र - श्री राजेश-सुनीता जैन, सनत इन्द्र - श्री घनश्याम-अंजना जैन, माहेन्द्र इन्द्र - श्री नवीन-चंदा पंचरत्न, ब्रह्म इन्द्र - श्री महेन्द्रकुमार-चंदा जैन, ब्रह्मोत्तर इन्द्र - श्री कोमलचंद-पुष्पा जैन, लान्तव इन्द्र - श्री अजित-कल्पना जैन, आणत इन्द्र - डॉ. समीर-निर्मला जैन, कापिष्ट इन्द्र - श्री अनिल-रजनी जैन, प्राणत इन्द्र - श्री मांगीलाल-हेमंत जैन, आरण इन्द्र - श्री प्रकाश-मंजुला जैन, शुक्र इन्द्र - श्री अखिलेश-प्रीति जैन, महाशुक्र इन्द्र - श्री सुगनचंद-उषा जैन, शतार इन्द्र - श्री अभय-रेखा जैन, सहस्रार इन्द्र - श्री राकेश-साधना गोधा, अच्युत इन्द्र - श्री अंकुर-पल्लवी जैन, महामंडलेश्वर - डॉ. शैलेन्द्र-डॉ. खुशबू जैन, श्री अशोक-रेखा जैन, श्री राजेश-संगीता जैन, श्री नरेश-कल्पना जैन, प्रतीन्द्र इन्द्र - श्री अरविन्द-अनीता जैन, श्री देवेन्द्र-सरोज जैन) विराजमान रहे। मुनि श्री विमलसागरजी महाराज ससंघ और अनेक ब्रह्मचारी भैया और बहनें भी इस परिक्रमा में सम्मिलित थे। फेरी में पूरे मार्ग पर कुबेर इंद्र द्वारा रत्नों की वर्षा की गई। अंतिम फेरी के बाद शोभा यात्रा नवीन जिनालय की ओर बढ़ चली, जहां समस्त प्रतिष्ठित मूर्तियों को वेदी में विराजमान किया गया। शिखर पर कलशारोहण के साथ ही 1008 श्री आदिनाथ जिनालय की प्रतिष्ठा और पंच कल्याणक महोत्सव का समापन हुआ।

इस पंचकल्याणक का विशेष आकर्षण रहा, बाल संस्कार शिविर का आयोजन, जिसमें मुनि श्री विमलसागरजी ससंघ के द्वारा बाल ब्रह्मचारी श्री विनय भैया के निर्देशन में 8 वर्ष से अधिक अविवाहित बालकों का अष्टमूलगुण संस्कार किया गया। इस शिविर में देश भर से अनेक बालक अपने माता-पिता के साथ उपस्थित हुए, जिन्हें मुनि श्री ने भावी श्रेष्ठ श्रावक बनने के लिए मूल संस्कारों का सिंचन किया। छोटे छोटे बालक श्वेत वस्त्रों में मुंडन कराकर पंक्तिबद्ध मंच पर आसीन हुए । मुनि श्री ने उनके मस्तक पर चंदन से स्वस्तिक का आलेपन कर मंत्रोचार द्वारा संस्कारित किया। सभी बालकों को अभिषेक, शांतिधारा का अवसर मिला और अष्ट द्रव्य द्वारा पूजन का प्रशिक्षण दिया गया। मुनि श्री ने सभी बालकों को जाप हेतु चांदी के मोतियों की माला प्रदान की।

इस भव्य पंचकल्याणक में मुख्य पात्रों और प्रतिमा पुण्यार्जकों के लिए आवास की व्यवस्था प्रारम गार्डन में की गई थी व सभी श्रद्धालुओं के लिए प्रतिदिन सुबह और शाम के भोजन की समुचित व्यवस्था की गई थी। महोत्सव के वात्सल्य पुण्यार्जक परिवार - श्री अरविन्द-उषा जैन एबीएस परिवार, श्री महेन्द्र, जिनेन्द्र-भारती जैन 'सायकिलवाला परिवार', डॉ. प्रमेश-डॉ. टीनू जैन, श्री नितिन-प्रिया जैन, श्री धर्मेन्द्र-संध्या जैन 'सिनकेम परिवार', श्री अनिल-सुलोचना जैन फणीश परिवार का हम आभार मानते है जिन्होंने इस व्यवस्था में धनराशि भेंट कर सहयोग प्रदान किया । पंचकल्याणक महोत्सव में द्रव्य सामग्री पुण्यार्जक श्रीमती रतनामाला, मनोज-कल्पना, मुकेश-रश्मि, मोहित-मयूरी बाकलीवाल परिवार का हम हृदय से आभार मानते है । पंचकल्याणक में मुनि संघ के आहारचर्या के लिए चौकों की व्यवस्था श्रीमती आशारानी पांड्या, विजयनगर श्री अशोककुमार जैन, कॉलोनी नगर श्री अजय-अर्चना जैन महावीर नगर, इंजी. आनंदकुमार जैन परिवार, उषा नगर व श्री पुष्पेन्द्र-रुचिका जैन स्कीम नं. 74 की ओर से बनाई गई थी, हम इन सभी परिवारों का हृदय से आभार मानते हैं। भोजन व्यवस्था के सुचारु संचालन के लिए श्री परवार समाज के सीए महेन्द्र जैन, श्री डी.के. जैन, श्री कमलेश जैन व श्री दिलीप बज के साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों, सोशल ग्रुप और महिला मंडलों ने उत्साहपूर्वक सहयोग किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान शानदार व्यवस्थाओ ने समाज को गौरवान्वित किया। इस भव्य समारोह में न केवल गोलालारीय समाज, बल्कि सभी समाजों ने, समाज के प्रतिनिधियों ने और महिला मंडलों ने बढ़ चढ़कर सहयोग किया। इन्दौर शहर के विभिन्न सुदूरवर्ती स्थानों से भी भक्तगणों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर भक्ति रस का पान किया। ऐसे भव्य पंचकल्याणक महोत्सव को इन्दौर के इतिहास में लंबे समय तक याद किया जाएगा।

26 मार्च, रविवार को पंचकल्याणक महोत्सव समिति द्वारा महोत्सव के सभी प्रमुख पात्रों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया तथा पंचकल्याणक महोत्सव में भगवान के माता-पिता, सौधर्म इन्द्र व धनपति कुबेर की भूमिका निभाने वाले और समाज के वरिष्ठ सदस्य व न्यास के स्थाई ट्रस्टी श्री रमेशचंदजी जैन के परिवार को सिंघई पद से सुशोभित किया गया । हमें गर्व है कि श्री रमेशचंदजी के परिवार ने इस पंचकल्याणक महोत्सव में अपनी विशेष भूमिका निभाते हुए सम्पूर्ण समाज के सदस्यों को पंचकल्याणक महोत्सव में धर्म लाभ लेने का मंगल अवसर प्रदान किया। इसके साथ ही पंचकल्याणक में भोजन व द्रव्य साम्रगी का सहयोग देने वाले परिवार व भोजन व्यवस्था को सुचारु रुप से संचालित करने वाले श्री परवार समाज के साथ सोशल गुप और महिला मंडल को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया पंचकल्याणक महोत्सव में नगर के अनेक क्षेत्रों में णमोकार मंत्र की कॉपियां, साड़ियां और धोती दुपट्टे वितरण की व्यवस्था जिन सदस्यों ने संभाली थी उन सभी को भी स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया इसके अतिरिक्त संचालक महोत्सव में किसी भी प्रकार से सहयोग देने सदस्यों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया ।